जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 89 प्रभात उदयपुर, शनिवार 31 जनवरी, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'शंकराचार्य से माफी मांगो'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। उत्तर प्रदेश सरकार ने माघ मेला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह गंगा में शाही स्नान की अनुमति न दिए जाने को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से माफी मांगे, ताकि उनकी नाराजगी समाप्त हो सके।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि शंकराचार्य पूर्णिमा (1 फरवरी) तक प्रयागराज में रहेंगे और वे माफी मांग कर उन्हें मना सकेंगे। लेकिन हिंदू धर्मगुरु 28 जनवरी को वाराणसी लौटने का निर्णय कर चुके थे।

■ उत्तर प्रदेश सरकार ने माघ मेला प्रशासन को आदेश दिया, जिन्होंने शाही स्नान के मसले पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान किया था।

उनके वाराणसी लौटने के बाद, लखनऊ से दो वरिष्ठ अधिकारियों ने उनसे मुलाकात की और आश्वासन दिया कि पूर्णिमा के दिन उन्हें सम्मानपूर्वक स्नान करने दिया जाएगा, लेकिन शंकराचार्य ने दो शर्तें रखीं।

पहली, जिम्मेदार अधिकारी लिखित रूप में माफी मांगें; और दूसरी, माघ मेला, कुंभ और महाकुंभ में चारों शंकराचार्यों के स्नान के लिए प्रोटोकॉल निर्धारित किया जाए।

शंकराचार्य ने अधिकारियों से कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार के करीबी साथी प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के अध्यक्ष बनेंगे?

सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार की होगी, एक बड़ा धड़ा उन्हें अध्यक्ष के रूप में देखना चाहता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुट एक बार फिर एकजुट होने जा रहे हैं और स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, फरवरी के दूसरे सप्ताह में इसका औपचारिक ऐलान होने की उम्मीद है।

सूत्रों के अनुसार, शरद पवार के अलावा तीन अन्य प्रमुख नेता हैं, जो विलय के बाद एनसीपी का नेतृत्व कर सकते हैं-अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल।

दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, अजित पवार, जिनका बुधवार को एक विमान हादसे में निधन हो गया, ने ही इस विलय का रास्ता तैयार किया था और दिसंबर व जनवरी में उन्होंने अपने चाचा शरद पवार के साथ कई बैठकें की थीं। ये दोनों नेता स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विलय की औपचारिक घोषणा करने वाले थे।

■ अजित पवार तथा शरद पवार गुट के नेताओं की अगले सप्ताह बैठक होने की संभावना है, जिसमें विलय को अंतिम रूप दिया जाएगा।

■ हालांकि, अजित पवार की एनसीपी के कई नेता तुरंत विलय के पक्ष में नहीं हैं, उन्हें लगता है कि इसका इस्तेमाल राजनैतिक लाभ के लिए किया जा सकता है। लेकिन, शरद पवार तथा सुनेत्रा के समर्थक तुरंत विलय चाहते हैं।

सूत्रों ने बताया कि विलय को अंतिम रूप देने के लिए, दोनों गुटों के नेता अगले सप्ताह मीटिंग करने वाले हैं।

लेकिन, सूत्रों का यह भी कहना है कि एनसीपी (अजित पवार गुट) के कुछ नेता तत्काल विलय के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इसका इस्तेमाल "राजनीतिक लाभ" के लिए किया जा रहा है। वहीं, शरद पवार गुट और अजित पवार की पत्नी के समर्थक तत्काल विलय के पक्षधर हैं।

सूत्रों के अनुसार, विलय प्रक्रिया में सुनेत्रा पवार की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है।

सूत्रों ने बताया, एनसीपी के भीतर यह मांग जोर पकड़ रही है कि राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार को पार्टी अध्यक्ष और विधायक दल नेता नियुक्त किया जाए। लेकिन यदि तकनीकी सीमाओं या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमर अब्दुल्लाह ने उत्तराखंड के मु.मंत्री को फोन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। उत्तराखंड में एक कश्मीरी शॉल विक्रेता पर भीड़ द्वारा किए गए हमले के बाद, राजनीतिक दलों और नेताओं ने देश के अलग-अलग हिस्सों में कश्मीरियों पर बढ़ते हमलों को लेकर चिंता जताई है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हुए हमले के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से फोन पर बात की।

उन्होंने जम्मू के वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की

■ जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने उत्तराखंड़ में कश्मीरी शॉल विक्रेता के साथ भीड़ द्वारा मारपीट किए जाने की घटना पर चिंता जताई।

अनुमति वापस लेने को लेकर नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की भी आलोचना की। एनएमसी ने यह फैसला न्यूनतम मानकों का पालन न होने के आधार पर लिया था।

यह विवाद तब बढ़ा, जब 50 सीटों में से 42 मुस्लिम और केवल सात हिंदू छात्रों के दाखिले का मामला सामने आया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इकोनॉमिक ग्रोथ के आंकड़े अपने आप विकास में परिवर्तित नहीं होते'

वर्ल्ड बैंक के ग्रुप प्रेसिडेंट अजय बंगा, जो आईआईएम अहमदाबाद के पोज़िशन होल्डर भी हैं, ने चेताया कि भारत की विशाल युवा शक्ति, अभिशाप में भी परिवर्तित हो सकती है, अगर......

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष अजय बंगा ने चेतावनी दी है कि भारत के "विकसित भारत" बनने का रास्ता सिर्फ ऊँची ग्रोथ रेट से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगा कि देश अपने युवाओं को कितने प्रभावी ढंग से कौशलयुक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि यदि हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले लाखों युवाओं को रोजगार के लिए तैयार नहीं किया गया, तो भारत का जनसांख्यिकीय लाभ एक बड़ी चुनौती में बदल सकता है।

बंगा ने बताया कि भारत में हर साल लगभग 1.2 करोड़ नए युवा जुड़ते हैं जिन्हें रोजगार की तलाश होती है। बड़े पैमाने पर कौशल विकास और कार्यबल की तैयारी देश की सबसे तात्कालिक आर्थिक प्राथमिकताओं में से एक बन जाती है। उन्होंने कहा कि विकास के आँकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जब तक उनके साथ मानव पूंजी में निरंतर निवेश न हो, तब तक वे वास्तविक विकास में नहीं बदलते।

■ बंगा के अनुसार, प्रतिवर्ष एक करोड़ बीस लाख युवा रोजगार ढूंढने निकलते हैं भारत में, अगर ये युवा "हुनर" की दृष्टि से रोजगार पाने के लिए तैयार नहीं हैं तो संकट ही संकट है।

■ अतः, युवाओं में "स्किल डवलपमेंट" (हुनर पैदा करना) असली चुनौती है, केवल इकोनॉमिक ग्रोथ के आंकड़े हासिल करना नहीं।

■ बंगा के अनुसार, भारत का इकोनॉमिक ढांचा उन कई देशों से भिन्न है, जिनकी इकॉनमी, निर्यात आधारित है और भारत की इकॉनमी का आधार "डॉमैस्टिक कंज़म्पशन" (आतंरिक खपत) है तथा निर्यात भारत की इकॉनमी का मुख्य हिस्सा नहीं है।

बंगा ने कहा, "असल बात ग्रोथ प्रतिशत नहीं है। हमारी आबादी को कौशलयुक्त बनाना बेहद जरूरी है, अगर लोगों को सही तरीके से कौशल दिया जाए, तो वे किसी राज्य, शहर, गाँव, किसी अन्य कस्बे और यहाँ तक कि विदेशों में भी काम के अवसर पा सकते हैं।"

उन्होंने कहा, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत की भूमिका दिनों दिन महत्वपूर्ण हो रही है। बंगा ने भारत-यूरोपीय यूनियन के फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफटीए)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वनस्थली विद्यापीठ

विश्व का सबसे बड़ा पूर्णतः आवासीय अद्वितीय महिला विश्वविद्यालय

जन्म शताब्दी वर्ष

प्रो. सुशीला व्यास

वनस्थली विद्यापीठ की प्रथम छात्रा
वनस्थली विद्यापीठ ज्ञान विज्ञान महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य
वनस्थली विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) की संस्थापक सदस्य
वनस्थली विद्यापीठ की प्रथम निदेशक (कुलपति)
वनस्थली विद्यापीठ की पूर्व अध्यक्ष
भारतीय विश्वविद्यालय संघ की पूर्व अध्यक्ष
राजस्थान विश्वविद्यालय सीनेट की पूर्व सदस्य

श्री सुधाकर शास्त्री

वनस्थली विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाने में अहम् भूमिका
वनस्थली विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) के संस्थापक सदस्य
वनस्थली विद्यापीठ के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वित्तीय सलाहकार
वनस्थली विद्यापीठ से संबंधित सभी सरकारी एवं सार्वजनिक कार्यों के पूर्व निर्वाहक
पूर्व प्रमुख दैनिक समाचार पत्र लोकवाणी के प्रधान सम्पादक
राजस्थान समाचार पत्र सम्पादक सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

आपके परिश्रम, त्याग एवं वनस्थली विद्यापीठ के प्रति जीवन पर्यन्त समर्पण को शत्-शत् नमन